

न्यायालय भूमि सुधार उप-समाहर्ता सदर दरभंगा

आदेश पत्रक

24/07/13

(देखें अभिलेख हस्तक, 1941 का नियम 129)

पत्रक

भूमि विवाद वाद संख्या 80/13-14 सन 2013.


श्रीमती सुर्यकला देवी बनाम श्री अमर नाथ मिश्र

आदेश की क्र. संख्या तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

वादी सुर्यकला देवी पेट स्वतः नागेन्द्र 24-5-13
 ठाकुर साठ नरोध, दरभंगा, प्रखण्ड जाले का परिवार 5-6-13.
 पत्र जिला जन शिकायत कोषांग दरभंगा के निबन्धन 13/06/13
 संख्या 1258 दिनांक 25-04-13 के द्वारा प्राप्त हुआ।
 वादी के परिवार पत्र के अवलोकन 20/6/13
 से यह प्रति होता है कि वादी के भूमि को श्री अमर 28/6/13
 नाथ मिश्र पिता मन्व मिश्र के द्वारा अनधिकृत 08/07/13
 रूप से बाधा उत्पन्न कर दिए हैं।
 वादी के परिवार पत्र में वर्णित 18/07/13
 तथ्यों के आलोक में वाद को प्रतिबृद्धित 06/08/13
 किया जाता है। 17.8.13
 पक्षकार को सूचना निर्गत करें। 24/08/13
 अभिलेख दिनांक 10.05.13 को रखें। 10.9.13

भूषण मिश्र
मुठ सूठ उप-समाह
सदर दरभंगा


26/7
भूमि सुधार उप-समाहर्ता
सदर, दरभंगा

10-5-13. वाही
प्रतिवाही / अनु

पुनः दिनांक 24-5-13.

24-5-13. वाही की हाजरी
प्रतिवाही की हाजरी | अनु

अनु

05/06/13

वाही
प्रतिवाही | अनु

अनु अनु के माध्यम से सूचना निर्गत की

अनु

13-6-13. वाही की हाजरी नहीं है
प्रतिवाही की हाजरी नहीं है

पुनः दिनांक - 20-6-13.

20/06/13

वाही
प्रतिवाही } अनुपस्थित

पुनः दिनांक 28/6/13

28/06/13 वाही
प्रतिवाही } अनुपस्थित है

अभिलेख दिनांक 08/07/13

आदेश की क्रम संख्या तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित
08/07/13	<p>वाही की हाजिरी नहीं है। विपक्षी अनुपस्थित है। आभिलेख दिनांक 18/07/13</p> <p style="text-align: right;">18/07/13 मू. सु. उ. समार</p>	
18/07/13	<p>वाही अनुपस्थित विपक्षी अनुपस्थित आभिलेख दिनांक 06/08/13 को रखें।</p> <p style="text-align: right;">मू. सु. उ. समार</p>	
06/08/13	<p>वाही अनुपस्थित विपक्षी अनुपस्थित पीठासीन पदाधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त आभिलेख दिनांक 17/08/13 को रखें।</p> <p style="text-align: right;">श. २. ३५. समार</p>	
17/8/13	<p>उत्पथ- अनु. दून: दिनांक 24.8.13 को रखें।</p> <p style="text-align: right;">श. २. ३५. समार</p>	

24.8.13. उभयपक्ष - अनु० ।

पूनः दिनांक - 10.9.13 को रखें ।

शु. ५. 34. 1110

10.9.13 उभयपक्ष - अनु०

पूनः दिनांक - 26.10.13 को रखें ।

शु. ५. 34. 1110

26.10.13 उभयपक्ष - अनु०

पूनः दिनांक - 16.11.13 को रखें ।

शु. ५. 34. 1110

16.11.13 उभयपक्ष - अनु० ।

6.12.13 को रखें ।


शु. ५. 34. 1110

06/12/13

उभयपक्ष - अनु०

वादी को किरा गया खूनना का तामिला अप्रप्र है । इससे यह
ज्ञात होता है कि वादी को किरा गया खूनना अप्रप्र है । उसके
वाकशुद्ध में वादी कभी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए इससे
यह ज्ञात होता है कि वादी को वाद के निस्तार में अतिक्रमि
नहीं है ।

अतएव इस वाद की कार्टवर्ड का हथगिरि किया जाता है ।


शु. ५. 34. 1110
सदा, (संगठन)